खड़ी गोपियां पूछे राधा एकली .....

खाड़ी गोपियां पूछे राधा एकली,
जातोड़ा सांवरियां माने छानै – छानै देखली ।
किसे नगर सूँ आयो रे साँवरा, किसे नगर थै जावेला,
नन्द बाबा रा कँवर लाडला, साँची बात बतावोला ।
खड़ी गोपियां.....

गढ़ गोकुल सूं आयो ए गोपियां मथुरा नगरी जावोला ।
मामा कंस ने मार ने, भूमि रो भार उतारोला ।
खड़ी गोपियां.....

कई तुम्हारे नाम सांवरो कई तुम्हारी जातड़ली ।
मात जसोदा रा कंवर लाडला कठे गमाई सारी रातड़ली ।
खड़ी गोपियां.....

कृष्ण कन्हैया नाम हमारो जातड़ली मारी यदुराई ।
वृन्दावन में रास रचायो उठे गमायी सारी रातड़ली ।
खड़ी गोपियां.....

नवलख धेनू बाबा नन्द घर दूजे माखण री कोई कमी नहीं ।
चोर–चोर ने माखण खायो, आ कई पड़ गई आदतड़ी ।
खड़ी गोपियां.....

थारो माखण खाटो ऐ जशोदा मोय खिलाई साकरड़ी ।
गोपियां रो माखन मीठो घणो रे पूर्व जन्म री प्रीतड़ली ।
खड़ी गोपियां.....

चन्द्र सखि भज बालकृष्ण छबि हरख निरख गुण गावोला ।
नन्द बाबा री कृपा वे तो सनमुख दर्शन पावोला ।
दाऊलाल री कृपा वे तो सनमुख दर्शन पावेला ।
खड़ी गोपियां.....

जीते जी रक्तदान मरणोपरान्त नेत्रदान